

उत्तराखण्ड में जलवदियुत परियोजना का पुनर्निर्माण

चर्चा में क्यों?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने उत्तराखण्ड में हिमालय की ऊपरी गंगा क्षेत्र में एक जलवदियुत परियोजना के पुनर्निर्माण के लिये पर्यावरणीय मंजूरी देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो वर्ष 2013 में बड़े पैमाने पर हुए **फ्लैश फ्लड** के दौरान लगभग पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी, जिसमें 6,000 से अधिक लोग मारे गए थे।

मुख्य बर्तु:

- नदी घाटी और जलवदियुत परियोजनाओं के लिये मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने **फाटा बयूंग जलवदियुत परियोजना (76 मेगावाट)** को संदर्भ की शर्तों (Terms of Reference- ToR) के अनुदान को मंजूरी दे दी।
- फाटा बयूंग परियोजना ने **मंदाकनी नदी** के प्रवाह को अवरुद्ध करके वर्ष 2013 में **बादल फटने (Cloudburst)** और **फ्लैश फ्लड** से होने वाली क्षति को और भी बढ़ा दिया।

मंदाकनी नदी

- यह उत्तराखण्ड में **अलकनंदा नदी की एक सहायक नदी** है।
- यह नदी **रुद्रप्रयाग और सोनप्रयाग** क्षेत्रों के बीच लगभग 81 किलोमीटर तक प्रवाहित होती है तथा **चोराबाड़ी ग्लेशियर** से निकलती है।
- मंदाकनी सोनप्रयाग में सोनगंगा नदी में विलीन हो जाती है और **उखीमठ में मध्यमहेश्वर मंदिर के पास से बहती** है।
- अपने मार्ग के अंत में यह अलकनंदा में गरिती है, जो **गंगा में मलि जाती** है।